Roll No. .....

E–861

M. A. (Fourth Semester) (Main/ATKT) EXAMINATION, May-June, 2021

HINDI

Paper Fifth

(हिन्दी आलोचना तथा समीक्षाशास्त्र)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 80*

नोट : निर्देशानुसार सभी खण्डों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ प्रत्येक 1

(वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. एडलर का सम्बन्ध किस विचारधारा से है ?

   (अ) अस्तित्ववाद

   (ब) मनोविश्लेषणवाद

   (स) मार्क्सवाद

   (द) संरचनावाद

2. हिन्दी के मार्क्सवादी समीक्षक कौन हैं ?

   (अ) डॉ. रामविलास शर्मा

   (ब) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

   (स) नगेन्द्र

   (द) नन्ददुलारे बाजपेयी

3. हिन्दी साहित्य : बीसवीं सदी के रचनाकार कौन हैं ?

   (अ) रामचन्द्र शुक्ल

   (ब) क्षेमेन्द्र

   (स) नन्ददुलारे बाजपेयी

   (द) हजारी प्रसाद द्विवेदी

4. ज्यां पाल सार्त्र का सम्बन्ध किस वाद से है ?

   (अ) सौंदर्यवाद

   (ब) अस्तित्ववाद

   (स) मार्क्सवाद

   (द) मनोविश्लेषणवाद

5. मनोविश्लेषणवाद के प्रवर्त्तक कौन हैं ?

   (अ) भरतमुनि

   (ब) लोंजाइनस

   (स) फ्रॉयड

   (द) प्लेटो

6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंध संग्रह का नाम है :

(अ) चिन्तामणि

(ब) रीतिकाल की भूमिका

(स) अशोक के फूल

(द) निबंध संग्रह

7. किसी कृति की कलावादी दृष्टि से समीक्षा करना कहलाता है :

(अ) अस्तित्ववादी

(ब) मनोविश्लेषणवादी

(स) रसवादी

(द) सौंदर्यशास्त्रीय

8. आलोचना में शील, शक्ति और सौदर्य का आदर्श किसने खोज निकाला ?

(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ब) रामचंद्र शुक्ल

(स) रामविलास शर्मा

(द) डॉ. नगेन्द्र

9. अभिजात्यवाद को और किस नाम से जाना जाता है ?

(अ) स्वच्छंदतावाद

(ब) शास्त्रवाद

(स) छायावाद

(द) प्रगतिवाद

10. हिन्दी कवि-आचार्य देव का पूरा नाम क्या था ?

(अ) बैजनाथ

(ब) देवनाथ

(स) देवदत्त

(द) विश्वनाथ

11. द्वन्द्वात्मक भौतिक विकासवाद किसका प्रमुख सिद्धान्त माना जाता है ?

(अ) मार्क्स

(ब) कॉलरिज

(स) अरस्तू

(द) क्रोचे

12. "मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।" किसका कथन है ?

(अ) नामवर सिंह

(ब) अशोक बाजपेयी

(स) निराला

(द) हजारीप्रसाद द्विवेदी

13. क्रोचे किस वाद के प्रवर्त्तक माने जाते हैं ?

(अ) विस्तारवाद

(ब) प्रगतिवाद

(स) अभिव्यंजनावाद

(द) अस्तित्ववाद

14. किस कवि-आचार्य को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है ?

(अ) केशवदास

(ब) देव

(स) मतिराम

(द) बिहारी

15. आचार्य क्षेमेन्द्र ने किस सिद्धान्त को प्रस्तुत किया ?

(अ) रस

(ब) ध्वनि

(स) रीति

(द) औचित्य

16. तटस्थ, वस्तुनिष्ठ रूप में अपना ध्यान भाषिक अध्ययन पर रखने वाली आलोचना को कहते हैं :

(अ) ऐतिहासिक

(ब) शास्त्रीय

(स) शैली वैज्ञानिक

(द) सौंदर्यशास्त्रीय

17. समाजशास्त्रीय आलोचना के जनक माने जाते हैं :

(अ) एडलर एलन पो

(ब) मैक्सिम गोर्की

(स) रामचन्द्र शुक्ल

(द) अरस्तू

18. अरस्तू का प्रमुख आलोचना सिद्धान्त है ?

(अ) मनोविश्लेषणवादी

(ब) प्रगतिवादी

(स) अनुकरण

(द) कल्पनावादी

19. साधारणीकरण आलम्बनत्व धर्म को मानने वाले आचार्य हैं :

(अ) विद्यानिवास मिश्र

(ब) रामचंद्र शुक्ल

(स) श्यामसुन्दर दास

(द) नगेन्द्र

20. नन्ददुलारे बाजपेयी की समीक्षा दृष्टि में महत् योगदान रहा :

(अ) मार्क्सवाद

(ब) प्रयोगवाद

(स) नकेनवाद

(द) छायावाद

खण्ड—ब प्रत्येक 2

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : किन्हीं **आठ** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'दूसरी परम्परा की खोज' एवं 'नाट्यशास्त्र' किनकी रचना हैं ?

2. मनोविश्लेषणवादी आलोचना क्या है ?
3. अस्तित्ववाद की दो विशेषताएँ बताइए।
4. अभिजात्यवाद का अतिसंक्षिप्त परिचय दीजिए।
5. किसी एक कवि-आचार्य के दो ग्रंथों के नाम लिखिए।
6. नन्ददुलारे बाजपेयी की समीक्षा-दृष्टि को नाम दिया गया ?
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की समीक्षा-पद्धति की दो विशेषताएँ बताइए।
8. डॉ. रामविलास शर्मा की समीक्षा-दृष्टि किस वाद पर केन्द्रित है ?
9. सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा क्या है ?
10. ऐतिहासिक आलोचनात्मक प्रवृत्ति का परिचय दीजिए।

खण्ड—स प्रत्येक 3

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर 75 शब्दों में दीजिए।

1. निम्नांकित पद्यांशों की व्यावहारिक समीक्षा कीजिए :

सखि नीलनभस्सर में उतरा
यह हंस अहा! तरता-तरता,
अब तारक मौक्तिक शेष नहीं,
निकला जिनको चरता-चरता।
अपने हिमबिन्दु बचे तब भी,
चलता जिनको धरता-धरता,
गड़ जायें न कण्टक भूतल के,
कर डाल रहा डरता-डरता।

2. मार्क्सवाद को समझाइए।
3. अभिजात्यवाद अथवा संरचनावाद को परिभाषित कीजिए।
4. उत्तर आधुनिकता का आशय स्पष्ट कीजिए।
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी **अथवा** नगेन्द्र की समीक्षा की विशेषताएँ बताइए।
6. किसी एक कवि आचार्य का परिचय दीजिए।
7. शास्त्रीय **अथवा** शैली वैज्ञानिक आलोचना का महत्व बताइए।
8. आलोचना की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—द प्रत्येक 5

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अस्तित्ववाद अथवा उत्तर आधुनिकता का परिचय एवं विशेषताएँ बताइए।
2. अभिजात्यवाद अथवा आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अथवा हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति की व्याख्या कीजिए।
4. शास्त्रीय अथवा ऐतिहासिक समीक्षा पर निबंध लिखिए।